पर्यटन के विकास के लिए वृहत योजना

2425. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ला** : क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने ऐसे राज्यों में पर्यटन के विकास के लिए कोई वृहत योजना बनाई है जो रोजगार के अवसरों और आजीविका के साधन के लिए पर्यटन पर ही निर्भर है;

(ख) यदि हां, तो उक्त योजना की रूपरेखा क्या है जो रोजगारोन्मुखी साबित होगी;

(ग) क्या उडीसा, मध्य प्रदेश और गुजरात को भी उक्त योजना में शामिल किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो इन राज्यों में पर्यटन को एक पूर्णकालिक उद्योग का दर्जा देने के लिए लागू की जाने वाली योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ओमाक अपांग) : (क) और (ख) पर्यटन मंत्रालय, राज्य सरकारों को देश में पर्यटन आधारिक संरचना के निर्माण के लिए केन्द्रीय वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाता है तथा पर्यटन उद्योग में व्यावसायिकों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए जनशक्ति को प्रशिक्षित करने हेतु भोजन कला संस्थानों, होटल प्रबंध एवं केटरिंग टेकनालाजी संस्थानों, पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान तथा जलक्रीड़ा संस्थान की स्थापना करने के लिए सहायता अनुदान भी उपलब्ध करवाता है।

पर्यटन मंत्रालय रोजगार के और अधिक अवसर उत्पन्न करने के उद्देश्य से होटलों का निर्माण करने के लिए ब्याज इमदाद भी प्रदान करता है।

मंत्रालय उन मेलों और उत्सवों का भी अभिनिर्धारण और संवर्धन करता है जिनसे ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय कला एवं शिल्प को बढ़ावा मिलता है और रोजगार उत्पन्न होता है। मंत्रालय उन मेलों और उत्सवों को वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है जो स्थानीय कला एवं शिल्प को बढ़ावा देते है।

(ग) और (घ) जी, हां। उडीसा, मध्य प्रदेश और गुजरात की राज्य सरकारों ने पर्यटन को उद्योग घोषित कर दिया है।

पर्यटन क्षेत्र में रोजगार सृजन

2426. **श्री बरजिन्दर सिंह** : क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पर्यटन का क्षेत्र उन क्षेत्रों में से एक है जिसमें पूंजी निवेश करने के बाद रोजगार सृजन की अधिकतम संभावना रहती है;

(ख) यदि हां, तो कृषि और निर्माण उद्योग की तुलना में पर्यटन क्षेत्र में रोजगार सृजन की कितनी संभावना मौजूद है; और

(ग) मार्च, 1998 के अंत तक देश में कुल कितने ऐसे लोग थे जो पर्यटन क्षेत्र के माध्यम से अपनी आजीविका कमा रहे थे?

पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ओमाक अपांग) : (क) और (ख) जी, हां। उपलब्ध अनुमानों के अनुसार, वर्ष 1985-86 के मूल्यों पर प्रति मिलियन रुपए के निवेश पर तुलनात्मक पूंजी अनुपात नीचे दिए गए है:-

	सैक्टर	श्रम पूंजी अनुपात
1.	कृषि	44.7
2.	उत्पादन	12.6
3.	होटल एवं रेस्तरां	89.0
4.	पर्यटन	47.5

निर्माण कार्य के लिए इस प्रकार के आंकड़े उपलब्ध नही है।

(ग) पर्यटन सेक्टर में सीधे रोजगार में वर्ष 1997-98 के दौरान, 9.9 मिलियन व्यक्तियों के होने का अनुमान है।

Setting up of 'Sun Village' at Jangging in Arunachal Pradesh

2427. SHRI W. ANGOU SINGH: Will the Minister of TOURISM be pleaed to state:

(a) whether Government are aware of the facts for setting up a "Sun Village" at Jangging in upper Siang District of Arunachal Pradesh with the assistance of USA;

(b) whether Government have given sanctioned for the said "Sun Village" and;

(c) state the facilities to be received from this proposed "Sun Village" and